YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)

Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 01.12.2017

HINDUSTAN

तकनीकी बदलावों का ज्ञान मिलेगा

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

फरीदाबाद वाईएमसीए विश्वविद्यालय में गुरुवार को एफडीपी कार्यक्रम में छात्रों को कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा ने संबोधित किया। • हिन्दुस्तान

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गुरुवार को इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग तथा टीईक्यूआईपी प्रकोष्ठ की ओर से इंजीनियरिंग में एप्लीकेशन आधारित तकनीकों में आए बदलावों को लेकर विश्वविद्यालय के फैकल्टी सदस्यों के ज्ञानवर्धन को लेकर एक सप्ताह का एफडीपी कार्यक्रम शुरू हुआ। जिसमें 50 से अधिक फैकल्टी सदस्य हिस्सों को तकनीकी ज्ञान मिलेगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को विभिन्न अनुप्रयोगों के बारे में जागरूक बनाना है जो प्रौद्योगिकी आधारित है तथा उन्हें संबंधित क्षेत्र में अनुसंधान के लिए प्रेरित करना है, जिससे विद्यार्थी तथा समाज भी लाभान्वित होगा। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग डॉ. मनीष वरिष्ठ ने सभी प्रतिभागियों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार शिक्षकों के अध्यापन कौशल को बढ़ाने में मददगार होते हैं। सत्र के मुख्य वक्ता विज्ञान भारती, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार में वरिष्ठ वैज्ञानित डॉ.अरविंद राणाडे ने सनस्पॉट चक्र तथा उपग्रह संचार व मानव जीवन पर इसके प्रभावों पर व्याख्यान दिया। सत्र को कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा, अधिष्ठाता डॉ. तिलक राज तथा डॉ. विक्रम सिंह ने भी संबोधित किया। इसका संचालन अर्चना अग्रवाल तथा भारत भूषण ने किया। इस मौके पर डॉ. एसके अग्रवाल तथा डॉ. आरती भी उपस्थित थीं।

NEWS CLIPPING: 01.12.2017

PUNJAB KESARI

प्रोद्योगिकी आधारित अनुप्रयोगों में बदलावों को लेकर किया जागरूक

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में छात्रों को जानकारी देते हुए कुलसचिव एसके शर्मा।

फरीदाबाद, 30 नवम्बर (पंकेस): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग तथा टीईक्यूआईपी प्रकोष्ठ द्वारा 'इंजीनियरिंग में एप्लीकेशन आधारित तकनीकों में आए बदलावों' को लेकर विश्वविद्यालय के फैकल्टी सदस्यों के ज्ञानवर्धन के लिए आयोजित एक सप्ताह का एफडीपी कार्यक्रम आज प्रारंभ हो गया।

कार्यक्रम में 50 से अधिक फैकल्टी सदस्य हिस्सा ले रहे है। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को विभिन्न अनुप्रयोगों के बारे में जागरुक बनाना है जो प्रौद्योगिकी आधारित है तथा उन्हें संबंधित क्षेत्र में अनुसंधान के लिए प्रेरित करना है, जिससे विद्यार्थी तथा समाज भी लाभान्वित होगा। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग डॉ. मनीष वशिष्ठ ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम शिक्षकों के अध्यापन कौशल को बढ़ाने में मददगार होते है। सत्र के मुख्य वक्ता विज्ञान भारती, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अरविंद राणाडे ने सनस्पॉट चक्र तथा उपग्रह संचार व मानव जीवन पर इसके प्रभावों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। सत्र को कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा, अधिष्ठाता डॉ. तिलक राज तथा डॉ. विक्रम सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अर्चना अग्रवाल तथा भारत भूषण द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. एसके अग्रवाल तथा डॉ. आरती भी उपस्थित थे।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Fri, 01 December 2017
epaper.punjabkesari.in//c/24148732

NEWS CLIPPING: 01.12.2017

NAVBHARAT TIMES

तकनीक में आए बदलावों की दी जानकारी

■ **वस, फरीदाबाद :** इंजीनियरिंग में एप्लिकेशन आधारित तकनीकों में आए बदलाव को लेकर वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फैकल्टी सदस्यों के लिए एक सप्ताह का एफडीपी कार्यक्रम शुरू किया गया। इसका आयोजन इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग एवं टीईक्यूआईपी प्रकोष्ठ द्वारा किया गया। उद्घाटन में विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग डॉ. मनीष ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। सत्र के मुख्य वक्ता विज्ञान भारती, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अरविंद राणा डे ने सनस्पॉट चक्र तथा उपग्रह संचार व मानव जीवन पर इसके प्रभावों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

NEWS CLIPPING: 01.12.2017

DAINIK JAGRAN

तकनीक में आए बदलाव से रूबरू कराया

जासं, फरीदाबाद : वाईएमसीए विश्वविद्यालय इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग तथा टीईक्यूआइपी प्रकोष्ठ द्वारा बृहस्पतिवार का साप्ताहिक एफडीपी कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कार्यक्रम इंजीनियरिंग में एप्लीकेशन आधारित तकनीकों में आए बदलावों को लेकर विवि के फैकल्टी सदस्यों के ज्ञानवर्धन के लिए आयोजित किया गया है। इसमें 50 से अधिक फैकल्टी सदस्य हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को विभिन्न अनुप्रयोगों के बारे में जागरूक बनाना है, जो प्रौद्योगिकी आधारित है और उन्हें संबंधित क्षेत्र में अनुसंधान के लिए प्रेरित करना है, जिससे विद्यार्थी तथा समाज भी लाभांवित होगा। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग डॉ.मनीष वरिष्ठ ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम शिक्षकों के अध्यापन कौशल को बढ़ाने में मददगार होते है। सत्र के मुख्य वक्ता विज्ञान भारती, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.अरविंद राणा डे ने सनस्पॉट चक्र व उपग्रह संचार व मानव जीवन पर इसके प्रभावों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। सत्र को कुलसचिव डॉ.एसके शर्मा, डीन डॉ. तिलक राज तथा डॉ.विक्रम सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अर्चना अग्रवाल तथा भारत भूषण द्वारा किया गया।

DAINIK BHASKAR

इंजीनियरिंग एप्लीकेशन आधारित तकनीक में आए बदलाव पर कार्यक्रम शुरू

फरीदाबाद| वाईएमसीए विवि में इंजीनियरिंग एप्लीकेशन आधारित तकनीक में आए बदलावों को लेकर फैकल्टी सदस्यों के ज्ञानवर्धन के लिए सप्ताहभर का एफडीपी कार्यक्रम गुरुवार से शुरू हुआ। इसमें 50 से अधिक फैकल्टी सदस्य हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न अनुप्रयोगों के बारे में बताना है जो प्रौद्योगिकी आधारित हैं। इन्हें संबंधित क्षेत्र में अनुसंधान के लिए प्रेरित करना है, ताकि इससे विद्यार्थी तथा समाज लाभान्वित हो। उद्घाटन सत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनीष वरिष्ठ ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम शिक्षकों के अध्यापन कौशल को बढ़ाने में मददगार साबित होते हैं।

NEWS CLIPPING: 01.12.2017

HINDUSTAN

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में सात दिसंबर से शुरू होगी पंद्रह दिवसीय कार्यशाला, कई विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक और छात्र कार्यशाला में जुटेंगे

मैकेनिकल के छात्र आधुनिकतम तकनीक सीखेंगे

तैयारी

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सात दिसंबर से राष्ट्रीय मैकेनिकल कार्यशाला आयोजित होगी। इसमें हरियाणा, उत्तर-प्रदेश व दिल्ली समेत कई प्रदेशों के चुनिंदा विवि, महाविद्यालयों के प्राध्यापक और छात्र मैकेनिकल संबंधी आधुनिकतम तकनीक से रूबरू हो सकेंगे।

छात्रों को स्टार्टअप करने के लिए भी प्रोत्साहित व जानकारी दी जाएगी, ताकि अधिक से अधिक छात्र स्वरोजगार के लिए भी तैयारी कर सके। केंद्र की मदद से वाईएमसीए विवि के मैकेनिकल विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला सात दिसंबर से 22 दिसंबर तक चलेगी। विवि प्रशासन ने विभागध्यक्ष प्रोफेसर डॉ.वासुदेव मलहोत्रा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। डॉ. वासुदेव मल्होत्रा ने बताया कि इसमें भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, आईआईटी रुड़की, आईआईटी कानपुर, एनआईआइटी कुरुक्षेत्र के विशेषज्ञों समेत कुछ सफल तकनीकि उद्यमियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

नई तकनीक की जानकारी मिलेगी

देश की बड़ी परियोजना रेलवे को आधुनिकतम तकनीक से युक्त करने संबंधी और सुरक्षा संबंधी उत्पादों के कलपुर्जों के लिए नई तकनीक की जानकारी से छात्र यहां रूबरू हो सकेंगे। छात्रों को पुरानी पारंपरिक मशीनों से बाहर आधुनिकतम तकनीक वाली मशीनों की जानकारी मिलेगी।

पूरा कार्यक्रम निशुल्क होगा

प्रोफेसर डॉ. वासुदेव मलहोत्रा ने बताया कि पूरा कार्यक्रम निशुल्क होगा। बाहर से आने वाले छात्र और प्राध्यापकों का पंजीकरण, रहने की व्यवस्था और खान-पान आदि सभी व्यवस्थाएं निशुल्क वाईएमसीए विवि की ओर से होगीं। छात्र और प्राध्यापकों को पंद्रह दिन कार्यशाला में रहना होगा। प्रतिभागी कार्यशाला का लाभ संबंधित महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के छात्रों और प्राध्यापकों को भी दे सकेंगे।

स्टार्ट-अप शुरू कर सकेंगे

इस कार्यशाला के दौरान अलग-अलग कार्यक्रम होंगे। इसमें छात्रों को स्टार्टअप करने की भी पूरी जानकारी दी जाएगी। जहां से छात्र किसी भी क्षेत्र में स्टार्ट-अप कर सकेंगे। इसके लिए देश के प्रमुख सफल तकनीकि उद्यमियों को भी बुलाया गया है, जो छात्रों के लिए प्रेरणादायक साबित होगा। उद्यमी छात्रों को लघु उद्योग से संबंधित तकनीकी और वाणिज्यिक पहलुओं के बारे में जानकारी दे सकेंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं करना चाहता। विश्वविद्यालय ने अपनी कार्यशैली में बदलाव करते हुए छात्र भविष्य में देश के निर्माण कैसे महत्वपूर्ण भमिका निभा सकते हैं? इसके लिए विश्वविद्यालय छात्रों को तैयार करने में जुटा है। यह कार्यशाला छात्र और प्राध्यापकों के लिए उपयोगी सबित होगी।

-डॉ. संजय शर्मा, कुलसचिव, वाईएमसीए विश्वविद्यालय